## श्रद्धांजलि

# सुख और दुःख, जन्म-मरण दोनों हैं यात्रा क्रम – गोपालदास नीरज'

## अखिलेश पाठक 'छोटे बब्बू'

मलिहाबाद के पं॰ अखिलेश पाठक 'छोटे बब्बू', मेरे सबसे छोटे मामा जी कल 20-02-2021 को इस यात्रा-क्रम को पूरा कर देवलोक को प्रस्थान कर गये। अखिलेश जी मलिहाबाद के सुप्रसिद्ध पाठक परिवार सदस्य थे। संभवतः मलिहाबाद निवासी होने से उनका व्यक्तित्व भी मलिहाबादी आम की तरह मधुर था। यही कारण है कि वर्तमान जब लोग अपने पड़ोसी से भी नहीं मिलना पसंद नहीं करते, मेरे मामा जी सारे नाते-रिशतेदारों को जोड़ने के सूत्र थे। अखिलेश पाठक 'छोटे बब्बू' जी कान्यकुब्ज समाज के सक्रिय सदस्य रहे। निर्धन छात्राओं के स्कूल जाने की सुविधा के लिए पाठक जी साइकिल (कान्यकुब्ज-वाणी पत्रिका के माध्यम) प्रति वर्ष वित्तीय सहायता देते रहे। वार्षिक होली-मिलन समारोह में भी वह अपना पूरा सहयोग करते थे।

मामा जी उन गिने चुने लोगों में थे जो मुझे मेरे फर्स्ट नेम 'दुर्गा' से संबोधित करते थे। उनके न रहने पर अब केवल उनकी स्मृति हम लोगों के साथ रह गई। स्मृति-शेष पाठक जी की मृत्यु संबधियों के अलावा लखनऊ समाज, विशेषकर कान्यकुब्ज समाज की अभूतपूर्व क्षति हुई है।

हम सब सुहृद, मित्र और उनके सहकर्मी प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और उनके परिवार व कुटुंबियों को यह आघात सहने कि शक्ति प्रदान करे।

** ॐ शांति **